युद्ध दौरान खुद को दुश्मन सेना से बचाने का डैमो के साथ लिया प्रशिक्षण

एन.सी.सी. कैडेट्स ने लगाई टहनियां और रंग, कैंप का आज आखिरी दिन

जींद, 11 फरवरी (हिमांशु): युद्ध दौरान किस तरह से दुश्मन सेना से अपने आपको बचाया जा सकता है इस तरह का प्रशिक्षण और डैमो कैंप में एन.सी.सी. कैडेट्स को दिया गया। प्रशिक्षण शिविर ट्रेनरों ने बेहतरीन तरीके से दिया। इस दौरान एन.सी.सी. कैडेट्स ने अपने शरीर पर पेड़-पौधों की टहनियां और अपने मुंह पर रंग लगाया हुआ था। इस दौरान कैडेट्स को बताया गया कि जब भी युद्ध हो तो किस प्रकार से वे अपने आपको टहनियों और मुंह पर रंग लगाकर दुश्मन का सामना कर सकते हैं।

गोहाना रोड स्थित राजकीय पी.जी. कॉलेज में कैंप कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जयंतो घोष के नेतृत्व में चल रहे ए.टी.सी. कैंप का चौथा दिन था। चौथे दिन वीरवार को कैडेट्स को तरह-तरह की गतिविधियां करवाई गईं और उनको डैमो भी दिखाए गए। शुक्रवार को कैंप का अंतिम दिन होगा। शिविर में कैडेट्स को ट्रेनर हवलदार तारा, राजबीर एवं सूबेदार चंचल बिष्ट द्वारा बाधा प्रशिक्षण, प्रोटैक्टर, बीयरिंग के प्रकार, हथियारों के प्रकार एवं प्रयोग को लेकर जानकारी दी गई।

गैर सरकारी संगठनों बारे भी दी जानकारी: शिविर में कैडेट्स को गैर सरकारी संगठनों बारे भी जानकारी दी गई। इस तरह की जानकारी लैफ्टिनैंट पंकज बत्तरा, कैप्टन जयभगवान दलाल, लैफ्टिनैं अजमेर और पूनम द्वारा दी गई। इन सभी ने एन.सी.सी. कैडेट्स को गै सरकारी संगठनों की कार्य प्रणाली फंडिंग और समस्याओं को लेकर गहनता से बताया गया।

एन.सी.सी. कैडेट्स को जानकारी देती ट्रेनर। (सुनील)

अपने शरीर को टहनियां लगाकर प्रशिक्षण लेते एन.सी.सी. कैडेट्स। (सुनील)

एन.एस.एस. शिविर दौरान कॉलेज में किया पौधारोपण

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 12 February 2021
Edition: jind kesari, Page no. 4

राजकीय कॉलेज में 5 दिवसीय ए.टी.सी. कैंप शुरू

राजकीय कॉलेज में शुरू हुए कैंप के पहले दिन एन.सी.सी. कैडेट्स को समझाते अधिकारी। (सुनील)

कॉलेज में शुरू हुए कैंप मौके पहुंचे बटालियन के अधिकारी।

जींद, 8 फरवरी (हिमांशु): राजकीय कॉलेज में सोमवार को 15 हरियाणा एन.सी.सी. बटालियन के निर्देशानुसार कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जयंतो घोष के नेतृत्व में ए.टी.सी. कैंप का आयोजन किया गया। इस 5 दिवसीय कैंप का नेतृत्व कर्नल पवन कुमार करेंगे। कैंप में राजकीय कालेज, सी.आर. किसान कालेज, सी.आर.के. आई.टी.आई. के सीनियर डिवीजन कैडेट्स ने भाग लिया। कर्नल पवन ने बताया कि कैंप के दौरान कैडेट्स हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, परेड एवं सेना संगठन बारे विस्तारपूर्वक जानकारी हासिल करेंगे। वहीं कैंप के माध्यम से कैडेट्स को एकता एवं अनुशासन व राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित किया जाएगा। एन.सी.सी. अधिकारी कैप्टन जयभगवान ने कैडेट्स को कहा कि यह कैंप एन.सी.सी. बी और सी की परीक्षा देने के लिए बेहद जरू
इसी के आधार पर विद्यार्थियों
आर्मी की भर्ती परीक्षा में अति
अंक प्रदान किए जाते हैं। इस
पर एन.सी.सी. अधिकारी लै.
बत्तरा, पूनम, लै. अजमेर
राजबीर और तारा भी मौजूद

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue,09 February 2021
Edition: jind kesari Page no. 4

एन.सी.सी. कैडेट्स को दिया सलामी शस्त्र का प्रशिक्षण

■ राजकीय कॉलेज में चल रहा प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

जींद, 12 फरवरी (हिमांशु): गोहाना रोड स्थित राजकीय कालेज में 15 हरियाणा बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जयंतो घोष के नेतृत्व में चल रहे 5 दिवसीय एन.सी.सी. कैंप का समापन शुक्रवार को हुआ। समापन के दिन कैडेट्स को सलामी शस्त्र का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही उन्हें फायरिंग रेंज बारे भी बताया गया।

कैंप के समापन पर मौजूद एन.सी.सी. कैडेट्स और अन्य अधिकारी। (सुनील)

शुक्रवार को शिविर के समापन पर एन.सी.सी. अधिकारी अजमेर सिंह, कैप्टन जयभगवान और लैफ्टीनैंट पंकज बत्तरा ने सभी कैडेट्स को देश के सर्वोच्च युवा संगठन एन.सी.सी. की आर्मी विंग, नेवी और एयर विंग बारे जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अंबाला ग्रुप हैडक्वार्टर तहत एन.सी.सी. की कुल 8 यूनिट हैं। इसमें से एयर विंग की केवल एक यूनिट करनाल में है और बाकी अन्य सभी 7 इकाइयां आर्मी विंग की हैं। समापन के अंत में ट्रैफिक एस.एच.ओ. राजेश कुमार एस.आई. नरेश कुमार ने कैडेट्स को यातायात नियमों को लेकर जानकारी दी। इस मौके पर जयभगवान दलाल और पूनम मौजूद रही।

एन.सी.सी. कैंप में दूसरे दिन कैडेट्स ने राइफल बारे जाना

2 कॉलेज और 1 आई.टी.आई. के 200 कैडेट्स हैं कैंप में शामिल, राजकीय कॉलेज में चल रहा एन.सी.सी. का ए.टी.सी. कैंप

जींद, 9 फरवरी (हिमांशु): गोहाना रोड स्थित राजकीय पी.जी. कॉलेज में चल रहे एन.सी.सी. के ए.टी.सी. (एनुअल ट्रेनिंग कैंप) के दूसरे दिन मंगलवार को कैडेट्स ने राइफल बारे जाना। इसमें उन्होंने प्वाइंट 22 और इंसास राइफल की गहनता से जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने इन राइफलों की साफ-सफाई भी की।

राजकीय पी.जी. कॉलेज में 15 हरियाणा एन.सी.सी. बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जयंतो घोष के नेतृत्व में 5 दिवसीय ए.टी.सी. कैंप चलाया हुआ है। कैंप में जींद शहर के 2 कॉलेज सी.आर. किसान, राजकीय पी.जी. कॉलेज और एक सी.आर.के. आई.टी.आई. के लगभग 200 बच्चे भाग ले रहे हैं। कैंप सोमवार से ही शुरू हो गया था। मंगलवार को कैंप का दूसरा दिन रहा। इस दिन जहां कैडेट्स को राइफल बारे जानकारी दी गई, इसके साथ ही उन्हें लीडरशिप, अनुशासन और एकता प्रति भी जागरूक किया गया। इनके अलावा कैडेट्स को दाएं सैल्यूट, बायं सैल्यूट और फील्ड सिगनल बारे भी बताया गया।

कर्नल पवन ने बताया कि कैंप दौरान कैडेट्स हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, परेड एवं सेना संगठन बारे विस्तारपूर्वक जानकारी हासिल करेंगे। इस मौके पर एन.सी.सी. अधिकारी लै. पंकज बत्तरा, पूनम, लै. अजमेर सिंह, राजबीर और तारा भी मौजूद रहे।

राजकीय कॉलेज में चल रहे ए.टी.सी. कैंप के दूसरे दिन प्रशिक्षण लेते एन.सी.सी. कैडेट्स व साथ में मौजूद अधिकारी। (सुनील)

बी और सी सर्टीफिकेट के लिए जरूरी है एनुअल कैंप

एन.सी.सी. अधिकारी कैप्टन जयभगवान ने बताया कि यह कैंप एन.सी.सी. बी और सी की परीक्षा देने के लिए बेहद जरूरी है। ए.टी.सी. कैंप प्रत्येक कैड्टस को साल में एक बार लगाना अति आवश्यक होता है। पिछले साल कोरोना महामारी कारण कैंप नहीं लग पाया था। इसकी वजह से अब इस साल कैंप का आयोजन किया गया है। कैंप के बाद बी और सी सर्टीफिकेट के आधार पर विद्यार्थियों को आर्मी की भर्ती परीक्षा में अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाते हैं।

कैंप को लेकर जानकारी देते कैड्टस। (सुनी

10 दिन का लगता है कैंप, कोरोना कारण लगाया जा रहा 5 दिन क

एन.सी.सी. का एनुअल ट्रेनिंग कैंप हर साल 10 दिनों का लगाया जाता इस बार यह सिर्फ 5 दिन का ही लगाया जा रहा है। 10 दिनों के कैंप में पूरे जिले से कैड्ट्स शामिल होतेहैं। अबकी बार जींद में सिर्फ 2 कॉलेज और 1 आई.टी.आ के कैड्ट्स ही शामिल किए गए हैं। इनके अलावा इसी बटालियन के नरवाना अ गोहाना में भी कैंप चल रहे हैं।

एन.सी.सी. कैडेटस ने कहा 5 दिनों में बहुत कुछ मिलेगा सीखने क

कैंप में हिस्सा ले रहे एन.सी.सी. कैड्ट्स मोहित कुमार, अंकुश सांगवा निशा, विजय, दीपक लोहान और मोहित ने बताया कि इस कैंप में उन्हें बहुत कु सीखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस तरह से कैंप में उनमें अनुशासन अ एकता की भावना भी पैदा होती है। कैंप में जहां हथियारों बारे जानकारी मिलती तो वहीं समाज में कुछ अच्छे कार्य करने की लगन होती है।